

- 70 कपर्दस्तु हिरण्यः स्यात्पणास्थिकवराटकौ । ४८
 71 दुर्नामा तु दीर्घकोषी ४९
 72 पिपीलिकस्तु पीलिकः ॥ १२०६ ॥ ५०
 73 पिपीलिका तु हीनाङ्गी ५१
 74 ब्राह्मणी स्थूलशीर्षिका । ५२
 75 धृतेली पिङ्गकपिशा- ५३
 76 धोपत्रिहोपदेहिका ॥ १२०७ ॥ ५४
 77 वस्युपदीका ५५
 78 लिप्ता तु रिप्ता ५६
 79 यूका च षट्पदी । ५७
 80 गोपालिका महाभीरु- ५८
 81 र्गोमयोत्था तु गर्दभी ॥ १२०८ ॥ ५९
 82 मत्कुणस्तु कोलकुण उदंशः किटिभोत्कुणौ । ६०
 83 इन्द्रगोपस्त्वगिरज्ञो वैराट्स्तितिभो ऽशिकः ॥ १२०९ ॥ ६१
 84 ऊर्णनाभस्तत्त्रवायो जालिको जालकारकः । ६२
 85 कृनिर्मर्कटको लूता लालास्रावो ऽष्टपाच्च सः ॥ १२१० ॥ ६३
 86 कर्णजलौका तु कर्णकीटा शतपदी च सा । ६४

70. Kleine Muschel, die als Münze dient (4 W.). — 71. Kamm-
 muschel (2 W.). — 72. Die grosse schwarze Ameise (2 W.). —
 73. Ameise (2 W.). — 74. Ameise mit grossem Kopfe (2 W.). —
 75. *A cockroach*, Wils. (2 W.). — 76. 77. Ameisenart (4 W.). —
 78. Nisse (2 W.). — 79. Laus (2 W.). — 80. Käferart, die sich im
 Kuhmist aufhält (2 W.). — 81. Desgleichen (2 W.). — 82. Wanze
 (5 W.). — 83. *Coccinella* (5 W.). — 84. 85. Spinne (9 W.). — 86.
 Hundertfuss, *Julus* (3 W.).